Iron and Steel Controller of State by Joint Plant Committee and how many of them have been rejected; and

(d) the reasons for their rejection and the number of those which are still pending for the last several months?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS (SHRI P. C. SETHI) : (a) Joint Plant Committee has made statewise allocations under different heads such as small-scale industry, agricultural and State pooled quotas. Indents supported by the recommendations of the appropriate authority of the State Government are planned by the Joint Plant Committee.

(b) The Iron and Steel Controller is not concerned with such indents. However, he happens to be the Chairman of the Joint Plant Committee. He is also the Secretary of the Steel Priority Committee, which allocates priority for supplies of scarce categories.

(c) and (d). All indents which conformed to the procedure indicated above were planned by the Joint Plant Committee. No indent for scarce categories is pending with the Joint Plant Committee.

अकबरपुर टांडा ब्रांच लाइन को बन्द किया जाना

5564. डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री राम जी राम :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर रेलवे में अकबरपुर-टांडा ब्रांच लाइन को बन्द करने का विचार है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या टांडा को गोसाईंगंज स्टेशन से जोड़ कर इसे मुख्य लाइन पर लाने के लिये प्राक्कलन तैयार कर लिया गया था; और

(ग) लाभकारी लाइन समझी जाने के लिये किसी लाइन को कितने प्रतिशत लाभ दर्शाना चाहिये और गत तीन वर्षों में, वर्षवार इस लाइन को कितने प्रतिशत लाभ हुआ है?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) इस शाखा लाइन को बन्द करने का प्रश्न विचाराधीन है, क्योंकि यह घाटे में चल रही है ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) 'लाभप्रद' कहलाने के लिये एक लाइन को 1-4-64 के बाद लगायी गई पूंजी पर 6.75% और इस तारीख से पहले लगाई गई पूंजी पर 5% प्रतिफल देना चाहिये । पिछले तीन वर्षों के दौरान अकबरपुर-टांडा शाखा लाइन से कोई लाभ नहीं हुआ, इसके विपरीत यह लाइन प्रारम्भ से ही घाटे में चल रही है ।

टंकारा-मोरवी छोटी रेलवे लाइन का हटाया जाना

5565. श्रीरामावतार शर्मा :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पश्चिम रेलवे की टंकारा-मोरवी छोटी रेलवे लाइन को उखाड़ने का प्रस्ताव है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस क्षेत्र में टंकारा नामक एक तीर्थ स्थान है तथा उस स्थान की यात्रा पुनः कठिन हो जायेगी;

(ग) क्या यह भी सच है कि हाल ही में इस लाइन को मोरवी से राजकोट तक बढ़ाने तथा इसे मीटर गेज लाइन में परिवर्तन करने का सुझाव दिया गया था; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में कब तक अन्तिम निर्णय किये जाने की सम्भावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) टंकारा-मोरवी छोटी लाइन के संचालन

के परिणामों की समीक्षा की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इसे बरकरार रखा जाना चाहिये अथवा नहीं ।

(ख) जी हां, टंकारा एक तीर्थ-स्थान है । इस लाइन को बन्द करने के प्रश्न पर विचार करते समय वैकल्पिक परिवहन की पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था करने की आवश्यकता को ध्यान में रखा जायेगा ।

(ग) जी हां ।

(घ) अभी निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता ।

EXPORT OF FERROUS SCRAP

3566. SHRI P. C. ADICHAN : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the export of ferrous scrap has declined in the past one year;

(b) if so, the extent thereof;

(c) the reasons therefor; and

(d) the steps taken to step up the export of ferrous scrap?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) No, Sir.

(b) to (d). Does not arise.

COPPER DEPOSITS FOUND IN ASSAM

5567. SHRI DHIRESWAR KALITA : Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state:

(a) whether new copper deposits have been found in Assam;

(b) if so, the estimated potential of the deposits; and

(c) the steps taken to exploite them?

THE MINISTER OF STEEL, MINES AND METALS (DR. CHANNA REDDY) : (a) to (c). Copper mineralisation is found near Umpyrtha in the United Khasi and Jaintia Hills district. Preliminary surface examination by large scale mapping and pitting and trenching indicate that the zone is at least 1200 metres long and 5 metres wide with indications of extensions in depth. The Geological Survey of India has taken up the occurrence for detailed investigation by drilling.

हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, उदयपुर द्वारा जस्ते के कच्चे माल की बिक्री

5568. श्री ओंकार लाल बोहरा : क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ दिन पहले हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, उदयपुर ने अपने भण्डार में पड़ा हुआ जस्ते का कच्चा माल केरल के एक कारखाने को सस्ते दामों पर बेचा था और यदि हां, तो इसके क्या कारण थे;

(ख) इस सौदे में सरकार को कितनी हानि हुई और इसके लिये ज़िम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है; और

(ग) मैटल कारपोरेशन को इसे बाजार भाव पर बेचने की अनुमति न दिये जाने के क्या कारण थे ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्र० चं० सेठी) : (क) जुलाई/अगस्त 1966 में हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड मैसर्स कोमिनको बिनानी जिंक लिमिटेड को 5000 टन जस्ता संकेन्द्रित 640 रुपये प्रति टन एफ० ओ० आर० मूल्य जवार खानों से बेचने के लिये सहमत हुआ । ये संकेन्द्रित रियायती दरों पर नहीं बेचे गये क्योंकि जो मूल्य वसूल किया गया वह जस्ता संकेन्द्रितों की मूल्य नियत करने की अन्तर्राष्ट्रीय मानक पद्धति के अनुसार था ।

(ख) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

(ग) मैटल कारपोरेशन आफ इंडिया ने सरकार से अगस्त, 1965 में मैसर्स मितसूई माईनिंग एण्ड स्मैल्टिंग कम्पनी लिमिटेड,